मंगलवार, 17 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

टीम के लिए पूरा योगदान दूंगा : वैभव सूर्यवंशी

Page-04

टीवी भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का बदला नाम

Page-05

गुना में ₹32.27 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और गुना के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना में 32.27 करोड़ की लागत से तैयार विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं में स्वास्थ्य और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं।इस दौरान उन्होंने 16.86 करोड़ की लागत से जिला अस्पताल में निर्मित अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट का उद्घाटन किया और उसका निरीक्षण भी किया। इसके अलावा रेलवे स्टेशन और सकटपुर क्षेत्र में 15.41 करोड़ की लागत से बने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का भी लोकार्पण किया गया, जिससे शहर की स्वच्छता और सीवेज प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुना के विकास को नई गति देने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार इसी तरह जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने गुना की जनता के साथ अपने पारिवारिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि उनका रिश्ता केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास और भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि गुना की जनता का भरोसा ही उन्हें क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर काम करने की प्रेरणा देता है।

श्रीनगर के ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन, घाटी में पर्यटन सत्र शुरू

श्रीनगर में जबरवन पर्वत श्रेणी की तलहटी में स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किया। इस गार्डन के खुलने के साथ ही कश्मीर घाटी में बसंत ऋतु के आगमन और नए पर्यटन सत्र की औपचारिक शुरुआत मानी जाती डाल झील के मनमोहक दृश्य को निहारती सीढीदार ढलानों पर फैला यह गार्डन हर साल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। लाल, पीले, गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंग के ट्यूलिप जब एक साथ खिलते हैं तो यह दृश्य सचमुच दिल को मोह लेने वाला बन जाता है।

राज्यसभा चुनाव: बिहार में NDA की क्लीन स्वीप

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

हरियाणा, बिहार और ओडिशा की राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। तीनों राज्यों की कुल 11 सीटों पर हुए इस चुनाव में 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। शुरुआती नतीजों और घटनाक्रमों ने कई जगह सियासी हलचल भी पैदा कर दी है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) ने सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस जीत का ऐलान किया। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी नेता नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं।वोटिंग के दौरान बिहार में NDA के सभी 202 विधायकों ने मतदान किया, जबकि महागठबंधन की ओर से सिर्फ 37 विधायकों ने ही वोट डाले। कांग्रेस के तीन और आरजेडी के एक विधायक ने मतदान नहीं किया, जिससे विपक्ष की स्थिति कमजोर दिखाई दी। हरियाणा में मतदान के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। बीजेपी के उम्मीदवार गौरव गौतम और किशन बेदी ने कांग्रेस के दो वोटों पर आपत्ति जताई, जिसके बाद मतगणना अस्थायी रूप से रोक दी गई।राज्य में कुल 90 विधायकों में से 88 ने वोट डाला। वहीं इंडियन नेशनल लोकदल के दोनों विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल मतदान से दूर रहे। ओडिशा में मतगणना अभी जारी है, लेकिन मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग की खबरों से सियासत गरमा गई है। भक्त चरण दास ने माना कि कांग्रेस के विधायक दाशरथी गमांग, सोफिया फिरदोस और रमेश जेना ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया। सोफिया फिरदोस ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की तैयारियों में पार्टी ने उन्हें नजरअंदाज किया, इसलिए उन्होंने बीजेडी को समर्थन देने के फैसले की आलोचना की।ओडिशा में मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है क्योंकि भाजपा को हराने के लिए बीजू जनता दल और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रणनीतिक सहयोग किया है।

- **नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले NDA ने बिहार की सभी 5 राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ नीतीश कुमार और नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए।**
- **हरियाणा में कांग्रेस के दो वोटों पर आपत्ति के कारण मतगणना रोकनी पड़ी, जबकि ओडिशा में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग से सियासी हलचल बढ़ गई।**

ओडिशा राज्यसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर विधायकों की क्रॉस वोटिंग

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के दौरान बड़ा राजनीतिक उलटफेर सामने आया है। मतदान के दौरान नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कुछ विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग किए जाने की खबर से सियासत गरमा गई है।ओटीवी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा चुनाव में करीब 10 विपक्षी विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया। बताया जा रहा है कि बीजेडी के पांच और कांग्रेस के तीन विधायकों ने संयुक्त बीजेडी-कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ वोट देते हुए भाजपा समर्थित उद्योगपति उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में मतदान किया।रिपोर्ट्स के अनुसार कांग्रेस के विधायक दशरथी गोमांगो, सोफिया फिरदौस और रमेश चंद्र जेना ने क्रॉस वोटिंग की। वहीं बीजेडी के चक्रामणि कन्हार, देवी रंजन त्रिपाठी, सुभाषिनी जेना, सौविक बिस्वाल और नबा मुल्लिक ने भी पार्टी लाइन के खिलाफ वोट दिया। इसके अलावा बीजेडी के निलंबित विधायक नबा किशोर मल्लिक, सनातन महाकुड और अरबिंद महापात्र के नाम भी क्रॉस वोटिंग करने वालों में बताए जा रहे हैं।

ईरान में तनाव के बीच सैकड़ों भारतीय सुरक्षित बाहर निकले

सरकार लगातार कर रही मदद

- **पश्चिम एशिया में तनाव के बीच भारत सरकार ने ईरान में फंसे सैकड़ों भारतीयों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया तेज कर दी है। तनाव के बीच 600 से ज्यादा भारतीय नागरिक ईरान से सुरक्षित बाहर निकाले गए।**

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने सोमवार को बताया कि उसके सैकड़ों नागरिक पड़ोसी देशों के रास्ते ईरान से सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की मदद के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी कि कई भारतीय नागरिक पड़ोसी देशों के रास्ते ईरान से बाहर निकल चुके हैं, जबकि कुछ लोगों को सुरक्षा के लिहाज से ईरान के भीतर ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।सरकार के मुताबिक अब तक करीब 550 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा पार कर आर्मेनिया पहुंच चुके हैं, जबकि 90 भारतीय अज़रबैजान चले गए हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि 284 भारतीय तीर्थयात्रा के लिए ईरान गए थे, जिनमें से कुछ भारत लौट आए हैं और बाकी के भी जल्द वापस आने की उम्मीद है।विदेश मंत्रालय में खाड़ी क्षेत्र के संयुक्त सचिव असीम महाजन ने कहा कि क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए अधिकारी चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

ममता बनर्जी के खिलाफ फिर मैदान में शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और वरिष्ठ नेता दिलीप घोष को भी टिकट दिया है।बीजेपी ने शुभेंदु अधिकारी को दो सीटों—नंदीग्राम और भवानीपुर—से चुनाव मैदान में उतारा है। भवानीपुर वही सीट है जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछला चुनाव जीता था।दरअसल, 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को करीब 2000 वोटों से हराया था। 17 राउंड की मतगणना के बाद उनकी जीत की घोषणा की गई थी। उस समय ममता बनर्जी ने चुनाव में धांधली का आरोप भी लगाया था।

चुनाव प्रक्रिया पर प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाए सवाल

वोटिंग और नतीजों में लंबे अंतर पर जताई चिंता

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ददिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश में अक्सर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है, लेकिन कई चुनावों में मतदान और परिणाम के बीच काफी लंबा अंतर देखने को मिलता है।प्रियंका चतुर्वेदी के अनुसार केरल में मतदान 9 अप्रैल को होगा, जबकि उसके नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। उनका कहना है कि वोटिंग और परिणाम के बीच लगभग एक महीने का अंतर चुनावी व्यवस्था की योजना पर सवाल खड़े करता है।उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को इस तरह व्यवस्थित किया जाना चाहिए कि मतदान और नतीजों के बीच इतना लंबा इंतजार न करना पड़े। कई बार चुनाव कई चरणों में लंबे समय तक चलते हैं, जिससे नई सरकार बनने में भी देरी हो जाती है।प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चुनाव आयोग पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराएगा। उनके मुताबिक यह बेहद जरूरी है कि किसी भी मतदाता को उसके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न किया जाए।उन्होंने कहा कि हर नागरिक का वोट देने का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह इस अधिकार की रक्षा करे।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाना लोकतंत्र को और मजबूत करेगा।

ट्रंप की नाटो को चेतावनी

साथ नहीं दिया तो भविष्य खतरे में

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित और खुला रखने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि समर्थन न मिलने पर नाटो के भविष्य पर असर पड़ सकता है। ईरान द्वारा टैंकरों की आवाजाही रोकने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल पार कर गई हैं।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वे ईरान के साथ जारी अमेरिका-इजरायल संघर्ष के बीच रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों में अमेरिका का समर्थन नहीं करते हैं, तो इसका असर नाटो के भविष्य पर गंभीर रूप से पड़ सकता है। ट्रंप ने विशेष रूप से यूरोपीय देशों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सुरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, क्योंकि इसके जरिए दुनिया की लगभग एक-पांचवीं तेल आपूर्ति गुजरती है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग से लाभ उठाने वाले देशों को इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे आना चाहिए। राष्ट्रपति के अनुसार, यदि इस मुद्दे पर सहयोगी देशों की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है या नकारात्मक रुख अपनाया जाता है, तो यह नाटो के भविष्य के लिए बेहद खराब संकेत होगा।दरअसल, दो सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू हुए अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाले तेल टैंकरों की आवाजाही को प्रभावी रूप से सीमित कर दिया है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है और तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है।ट्रंप ने अपने साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका के मुकाबले यूरोप और चीन खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल पर कहीं अधिक निर्भर हैं, इसलिए इस समुद्री मार्ग को सुरक्षित बनाए रखना उनकी भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल उचित है कि जो देश इस मार्ग से आर्थिक लाभ उठाते हैं, वे इसकी सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाटो की भूमिका पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका लंबे समय से अपने सहयोगियों के लिए उदार रुख अपनाता रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो उत्तरी अमेरिका और यूरोप के 31 देशों का सैन्य गठबंधन है, जिसका मुख्य उद्देश्य सामूहिक रक्षा सुनिश्चित करना है। गठबंधन के सिद्धांत के अनुसार यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो उसे सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाता है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य है और सैन्य क्षमता, आर्थिक संसाधनों तथा रणनीतिक नेतृत्व के माध्यम से गठबंधन में अग्रणी भूमिका निभाता है।ट्रंप ने यूक्रेन के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिका ने वहां सहयोगियों की मदद की, जबकि यूक्रेन अमेरिका से हजारों मील दूर स्थित है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सहयोगी देश भी अमेरिका के साथ खड़े होने की अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि वे लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि अमेरिका सहयोगियों के साथ खड़ा रहेगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि सहयोगी भी उसी तरह अमेरिका का समर्थन करेंगे या नहीं।इसके साथ ही ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि चीन होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों में सहयोग नहीं करता है, तो इस महीने के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रस्तावित बैठक को स्थगित किया जा सकता है।

देश में एलपीजी संकट, घरों से लेकर उद्योग तक प्रभावित

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया तनाव के बीच देश में एलपीजी संकट, घरों से लेकर उद्योग तक प्रभावितपश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत में एलपीजी संकट की स्थिति ने आम लोगों से लेकर उद्योगों तक को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। हालांकि सरकार द्वारा घबराहट में की जा रही बुकिंग को रोकने के लिए चलाए गए अभियान का असर अब दिखाई देने लगा है, लेकिन गैस आपूर्ति को लेकर चिंता अभी भी बनी हुई है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, हाल के दिनों में एलपीजी सिलिंडर की घबराहट में की जा रही बुकिंग में कमी आई है। शुक्रवार को जहां घरेलू एलपीजी की बुकिंग लगभग 88.80 लाख तक पहुंच गई थी, वहीं शनिवार को यह घटकर करीब 77 लाख रह गई। मंत्रालय का कहना है कि लोगों से अनावश्यक बुकिंग न करने की अपील का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। साथ ही ऑनलाइन बुकिंग भी बढ़कर 84 प्रतिशत से लगभग 87 प्रतिशत तक पहुंच गई है।सरकार ने एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए उन उपभोक्ताओं पर सख्ती की है जिनके पास पाइप गैस और एलपीजी दोनों कनेक्शन हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने का निर्देश दिया गया है। जिन घरों में पाइप गैस उपलब्ध है, उन्हें सार्वजनिक तेल कंपनियों से घरेलू एलपीजी सिलिंडर नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी भी अनिवार्य कर दी गई है। इस संकट का असर होटल, रेस्तरां और छोटे व्यवसायों पर भी पड़ रहा है। सरकार ने व्यावसायिक सिलिंडर की आपूर्ति घटाकर 20 प्रतिशत कर दी है, जिसके कारण कई शहरों में होटल और भोजनालयों को संचालन में कठिनाई हो रही है। विजयवाड़ा में गैस की कमी के कारण होटल संचालकों को ब्लैक मार्केट से महंगे दाम पर सिलिंडर खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि बेंगलुरु में होटल कारोबार में 25 से 30 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। भोपाल में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का कारोबार करीब 40 प्रतिशत तक घट गया है।

ईरान युद्ध में अमेरिका का खजाना खाली

अब तक 12 अरब डॉलर खर्च

भारी बर्फबारी, कई सड़कें बंद;

सैकड़ों पर्यटक सुरक्षित निकाले गए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में रविवार रात से जारी भारी बर्फबारी ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। उत्तराखंड के चमोली जिले स्थित बद्रीनाथ धाम का पूरा परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया है। आसपास की नीलकंठ और नारायण पर्वत की चोटियां भी बर्फ से ढकी दिखाई दे रही हैं, जिससे क्षेत्र में मनमोहक दृश्य बन गए हैं। बर्फबारी के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और कड़ाके की ठंड लौट आई है। जम्मू-कश्मीर के कई ऊंचाई वाले इलाकों में भी मध्यम से भारी बर्फबारी हुई है। शोपियां के पीर की गली, जोजिला दर्रा, गुरेज घाटी, साधना टॉप और सिंथन टॉप जैसे क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। सिंथन टॉप के पास भारी बर्फबारी के कारण कई वाहन फंस गए थे, जिसके बाद पुलिस और सेना ने संयुक्त अभियान चलाकर 214 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। भारी बर्फबारी

के कारण गुरेज-बांदीपोरा सड़क, सिंथन-किश्तवाड़ मार्ग और मुगल रोड सहित कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के मनाली में अटल टनल के साउथ पोर्टल के पास अचानक बर्फबारी के कारण एक हजार से अधिक वाहन फंस गए। कुल्लू के जलोरी पास पर भी 40 से 50 पर्यटक फंसने की खबर है। पुलिस और बचाव दल लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

लेबनान में इजराइल की नई रणनीति

हिजबुल्लाह के खिलाफ लोगों को चेताने के लिए गिराए पर्चे

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर अब पड़ोसी देश लेबनान में भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में लेबनान से सामने आई कुछ तस्वीरों ने इस जंग को देखने का नजरिया बदल दिया है। इजराइल ने जहां एक ओर हिजबुल्लाह के हमलों का जवाब मिसाइल हमलों से दिया, वहीं दूसरी ओर एक नई रणनीति अपनाते हुए लेबनान के लोगों के बीच हजारों पर्चियां गिराईं।जानकारी के अनुसार, ईरान समर्थित शिया संगठन हिजबुल्लाह द्वारा इजराइल पर रॉकेट हमले किए जाने के बाद इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान के विभिन्न इलाकों में आसमान से हजारों पर्चियां गिराईं। ये पर्चियां घरों, सड़कों, मोहल्लों और रिहायशी इलाकों में लोगों तक पहुंचीं।इन पर्चियों में लेबनान के आम नागरिकों के लिए सलाह, चेतावनी और संदेश लिखे गए थे। पहली तरह की पर्चियों में लोगों से अपील की गई कि वे हिजबुल्लाह के आतंकियों का साथ न दें और उन्हें खत्म करने में इजराइल की मदद करें। इसमें यह भी कहा गया कि अगर किसी के पास हिजबुल्लाह के आतंकियों या उनके ठिकानों की जानकारी है तो वह तुरंत इजराइल की खुफिया एजेंसी से संपर्क कर सकता है। इसके लिए पर्चियों में एक क्यूआर कोड भी दिया गया है, जिसे स्कैन कर लोग सीधे इजराइल के इंटेलिजेंस अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया है कि जानकारी देने वाले लोगों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।दूसरी तरह की पर्चियों में लेबनान के लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई है। इसमें कहा गया है कि यदि किसी ने हिजबुल्लाह का साथ दिया तो उसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। पर्चियों में यह भी लिखा गया है कि अगर हिजबुल्लाह का समर्थन किया गया तो वही स्थिति पैदा हो सकती है जो गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ देखी गई थी। गौरतलब है कि इजराइल पहले भी गाजा में इसी तरह की रणनीति अपना चुका है, जहां आम लोगों को पर्चियों के जरिए चेतावनी और संदेश दिए गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ स्थानीय लोगों को प्रभावित करने के लिए इजराइल इस तरह की मनोवैज्ञानिक रणनीतियों का इस्तेमाल कर रहा है।

सुरक्षित भारतीय एलपीजी टैंकर

मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंचने की तैयारी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुका द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर शिवालिक सोमवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरानी अधिकारियों ने एलपीजी ले जा रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाजों—शिवालिक और नंदा देवी—को होर्मुज जलडमरूमध्य से पारगमन की अनुमति दे दी है, जिसके बाद दोनों जहाज सुरक्षित रूप से भारत की ओर बढ़ रहे हैं।जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने शनिवार को जानकारी दी थी कि एलपीजी टैंकर शिवालिक और नंदा देवी के क्रमशः 16 और 17 मार्च को भारत पहुंचने की उम्मीद है। इन जहाजों के सुरक्षित रूप से जलडमरूमध्य पार करने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी चिंता काफी हद तक कम हुई है।अधिकारियों के अनुसार, फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों के दौरान उनसे जुड़ी किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में स्थित फारस की खाड़ी में पहले कुल 24 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद थे। इनमें से दो जहाज—शिवालिक और नंदा देवी—एलपीजी वाहक हैं, जो देर रात या रविवार सुबह सुरक्षित रूप से जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और अब भारत की ओर बढ़ रहे हैं।बताया गया है कि इन दोनों जहाजों में कुल मिलाकर लगभग 92,700 मीट्रिक टन द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है। इनमें से शिवालिक गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह, जबकि नंदा देवी कांडला बंदरगाह पर पहुंचने वाली है। दोनों जहाजों के निकल जाने के बाद अब फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज शेष रह गए हैं, जिन पर कुल 611 भारतीय नाविक सवार हैं।इस बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात को फिर से सुचारू करने के लिए ईरान के साथ सीधी बातचीत को सबसे प्रभावी उपाय बताया है। ब्रिटेन के अखबार

फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि भारत इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए तेहरान के साथ लगातार संवाद कर रहा है।जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि इस मुद्दे पर टकराव के बजाय तर्क और समन्वय के जरिए समाधान निकालना अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने बताया कि भारत और ईरान के बीच चल रही बातचीत से कुछ सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं, जो इस रणनीति की उपयोगिता को दर्शाते हैं।

संपादक की कलम से

विज्ञान, तकनीक और सूचना क्रांति ने हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही सामाजिक समस्याओं और जिम्मेदारियों की चुनौती भी बढ़ गई है। हमारी सामूहिक सोच, व्यवहार और सामाजिक दृष्टिकोण ही किसी समाज की प्रगति और उसकी स्थिरता को तय करते हैं। हालांकि, कई बार हम बदलाव की राह में पीछे रह जाते हैं, क्योंकि समाज में जागरूकता और जिम्मेदारी की कमी साफ दिखाई देती है। सामाजिक मुद्दों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और समानता जैसी कई समस्याएं शामिल हैं। इन मुद्दों को हल करना केवल सरकार या प्रशासन का काम नहीं है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उदाहरण के लिए, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के मामले में यदि लोग व्यक्तिगत स्तर पर जागरूक नहीं होंगे, तो कोई भी सरकारी योजना प्रभावी नहीं हो सकती। यही कारण है कि सामाजिक समस्याओं का स्थायी समाधान केवल सामूहिक प्रयासों और जिम्मेदार नागरिकता से संभव है।जागरूकता ही बदलाव की पहली सीढ़ी है। जब समाज में लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत होंगे, तभी भ्रष्टाचार, भेदभाव और अन्याय जैसी समस्याओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। उदाहरण के तौर पर, शिक्षा के महत्व को यदि हर घर में समझाया जाए और बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जाए, तो न केवल समाज का विकास होगा बल्कि आने वाली पीढ़ी भी जिम्मेदार और सशक्त बनेगी।सामाजिक जिम्मेदारी का मतलब केवल नियमों का पालन करना नहीं है। इसका अर्थ यह भी है कि हमें कमजोर और वंचित वर्ग की मदद करनी चाहिए, सामाजिक असमानता को कम करने की कोशिश करनी चाहिए और एक समावेशी समाज बनाने में योगदान देना चाहिए। जब हर नागरिक अपने समाज के प्रति जिम्मेदार होगा, तभी सामाजिक संरचना मजबूत होगी और सामाजिक विकारों में कमी आएगी। इसके साथ ही, मीडिया और सामाजिक मंच भी जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सही जानकारी, शिक्षा और सामाजिक संदेश लोगों तक पहुँचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि इसे समाज सुधार और जागरूकता बढ़ाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।अंततः, सामाजिक मुद्दों का समाधान केवल आलोचना और शिकायत करने से नहीं होगा। इसके लिए आवश्यक है कि हर नागरिक जागरूक बने, अपने दायित्व निभाए और समाज के कल्याण में सक्रिय योगदान दे। जब हम व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को समझेंगे, तभी हमारे समाज में समानता, सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी ही किसी राष्ट्र की सच्ची प्रगति और लोकतंत्र की ताकत का आधार है। यदि हर नागरिक इन मूल्यों को अपनाए, तो हमारा समाज न केवल विकसित होगा बल्कि न्याय, समानता और सौहार्द्र की मिसाल भी बनेगा। समाज की स्थिरता और उन्नति की कुंजी यही है – जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय नागरिक।

प्रियंका गांधी का आरोप

विधानसभा चुनाव कार्यक्रम भाजपा की सुविधा के अनुसार तय

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने चार राज्यों और पुडुचेरी में घोषित विधानसभा चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि चुनाव की तिथियां और चरण भाजपा की सुविधा के अनुसार तय किए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार मतदान अप्रैल में होगा और सभी राज्यों के परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की तिथियां और चरण भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखकर तय किए जाते हैं।केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि चुनाव की तिथियां और चरण भाजपा के अनुकूल निर्धारित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि चुनाव कार्यक्रम तय करते समय सत्तारूढ़ दल की सुविधा को ध्यान में रखा जाता है।दरअसल, चुनाव आयोग ने रविवार को वर्ष 2026 में होने वाले चार राज्यों—पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम—तथा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की तिथियों की घोषणा की थी। इसके बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है और विपक्षी दलों की ओर से इस कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। राज्य में पहला चरण 23 अप्रैल को और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा। वहीं केरल और असम में मतदान एक ही चरण में 9 अप्रैल को कराया जाएगा। तमिलनाडु में भी विधानसभा चुनाव के लिए 23 अप्रैल को मतदान निर्धारित किया गया है। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विधानसभा चुनाव लोकतंत्र का गर्व का त्योहार हैं। उन्होंने देश के मतदाताओं, विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से उत्साहपूर्वक मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी बताया कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव होने हैं, वहां मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण किया जा चुका है और अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार चारों राज्यों और पुडुचेरी में डाले गए वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। इसके बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। इन राज्यों की वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त होगा, जबकि तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई तक है। असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो रहा है, वहीं केरल विधानसभा का कार्यकाल 23 मई तक है। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त होगा।चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। वहीं कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की ओर से चुनाव तिथियों को लेकर उठाए गए सवालों के कारण राजनीतिक माहौल भी गरमाता नजर आ रहा है।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत का चुनाव आयोग पर हमला, भाजपा के प्रति पक्षपात का लगाया आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं की घोषणा के ठीक अगले दिन विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया गया, जो पूरी तरह से अनुचित और संदिग्ध है।समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान सुखदेव भगत ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और यह स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में झुकी हुई दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं और अगले ही दिन चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी जाती है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है।कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार एक ओर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करती है, जबकि दूसरी ओर आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान और परिणाम की तारीखों को अलग-अलग रखकर विरोधाभासी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि चार राज्यों के चुनाव कार्यक्रम में मतदान और परिणाम घोषित होने के बीच काफी अंतर रखा गया है, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि सब कुछ सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है।भगत ने कहा कि जितना अधिक चुनाव प्रक्रिया में विलंब होगा, उतना ही इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। उन्होंने लोगों से पिछले चुनावों के रिकॉर्ड देखने की बात कहते हुए दावा किया कि इसी तरह की परिस्थितियों में अक्सर परिणाम भाजपा के पक्ष में जाते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन परिस्थितियों के कारण आम जनता का चुनाव आयोग पर विश्वास कम होता जा रहा है।कांग्रेस सांसद की ये टिप्पणियां उस समय सामने आई हैं, जब चुनाव आयोग ने रविवार को चार राज्यों—पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम—के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की है।चुनाव कार्यक्रम के अनुसार पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को कराया जाएगा। वहीं केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा। तमिलनाडु में 23 अप्रैल

को वोट डाले जाएंगे, जबकि पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को ही मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार इन सभी राज्यों और पुडुचेरी में मतगणना 4 मई को की जाएगी।वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है।

बिहार राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन को झटका

कांग्रेस के तीन विधायक संपर्क से बाहर

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान के बीच विपक्षी महागठबंधन को बड़ा झटका लगता दिखाई दे रहा है। मतदान के दिन गठबंधन दलों के कुछ विधायक लापता या संपर्क से बाहर बताए जा रहे हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।जानकारी के अनुसार कांग्रेस के तीन विधायक—सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, मनोज बिस्वास और मनोहर प्रसाद सिंह—कथित तौर पर संपर्क से बाहर हैं। ये विधायक क्रमशः पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर, फारबिसगंज और मनिहारी विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बताया जा रहा है कि तीनों विधायकों के मोबाइल फोन बंद हैं और पार्टी नेतृत्व भी उनसे संपर्क नहीं कर पा रहा है।इसके अलावा अररिया से कांग्रेस विधायक अबिदुर रहमान भी अभी तक पटना नहीं पहुंचे हैं। हालांकि पार्टी सूत्रों के मुताबिक वे नेताओं के संपर्क में हैं और उन्होंने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही राज्य की राजधानी पहुंच जाएंगे।दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के 25 विधायकों में से 24 ने अपना वोट डाल दिया है। हालांकि पार्टी के ढाका से विधायक फैसल अली अभी तक विधानसभा में मतदान के लिए नहीं पहुंचे हैं, जिससे विपक्षी खेमे में चिंता बढ़ गई है। इन घटनाक्रमों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवि शंकर प्रसाद ने दावा किया कि मतदान के दौरान बिहार विधानसभा में कोई भी कांग्रेस विधायक मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में कांग्रेस की स्थिति पर सवाल खड़े होते हैं। रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि वे अपने सभी उम्मीदवारों को अग्रिम बधाई देते हैं और यह चुनाव परिणाम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत की ओर संकेत कर रहा है।बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान जारी है, जिसमें सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी आरजेडी के उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान प्रक्रिया सुबह 9 बजे शुरू हुई और शाम 5 बजे तक बिहार विधानसभा परिसर में जारी रहेगी। इसके बाद मतगणना की जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।एनडीए की ओर से मैदान में उतारे गए उम्मीदवारों में बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री राम नाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा के शिवेश कुमार शामिल हैं। इनमें से राम नाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि शिवेश कुमार

पहली बार संसद के उच्च सदन में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान विधायकों की अनुपस्थिति और संपर्क से बाहर होने की खबरों ने बिहार की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के नतीजों पर इन घटनाओं का प्रभाव पड़ सकता है। वहीं सभी दलों की नजर अब मतदान खत्म होने और मतगणना के बाद आने वाले परिणामों पर टिकी हुई है।

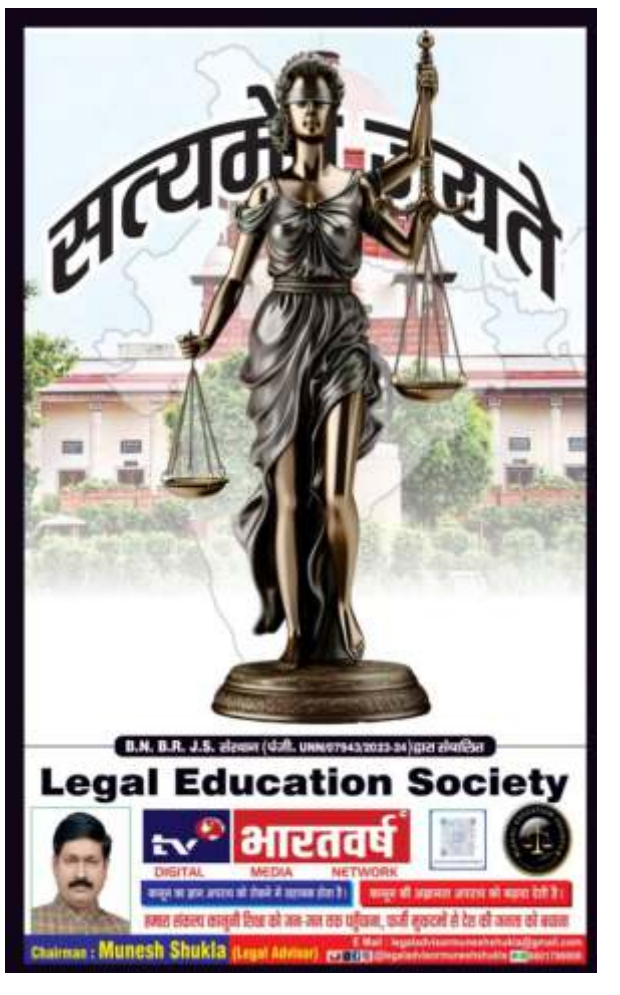

ईरान संकट और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 938 अंक चढ़कर बंद

ईरान संकट के गहराने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में दिनभर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान बाजार में कई बार तेजी और गिरावट का दौर चला, जिससे निवेशकों के बीच अनिश्चितता का माहौल बना रहा। हालांकि दिन के अंत में बाजार ने मजबूती दिखाई और लगातार तीन दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए बढ़त के साथ बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 938.93 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,502.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 इंडेक्स भी 257.70 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,408.80 अंक के स्तर पर पहुंच गया।बाजार की शुरुआत दबाव के साथ हुई थी, क्योंकि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से निवेशकों की चिंता बढ़ी हुई थी। ईरान से जुड़े घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने बाजार की दिशा को प्रभावित किया। इन परिस्थितियों के कारण शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट का माहौल रहा, लेकिन बाद में चुनिंदा शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार ने रिकवरी की और अंततः बढ़त के साथ बंद हुआ।सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से कई प्रमुख शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की गई। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.22 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा इटरनल, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी उल्लेखनीय तेजी रही। इन कंपनियों में आई खरीदारी ने बाजार को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई।वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियों के शेयरों में गिरावट भी दर्ज की गई। बीईएल के शेयर में सबसे ज्यादा 2.32 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके अलावा सन फार्मा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, भारती एयरटेल, टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएल टेक के शेयर भी नुकसान के साथ बंद हुए। आईटी और कुछ अन्य सेक्टरों में कमजोरी के कारण बाजार में बीच-बीच में दबाव देखने को मिला। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर दुनिया भर के बाजारों की तरह भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ रहा है। ऐसे माहौल में निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं और वैश्विक घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं।इसके बावजूद बैंकिंग, ऑटो और कुछ उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार को संभाले रखा। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद बाजार में आई इस तेजी ने निवेशकों को कुछ राहत जरूर दी है। बाजार आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संकेतकों, केंद्रीय बैंकों की नीतियों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी रहेगी। इसके साथ ही वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियां भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में वैश्विक परिस्थितियां, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और आर्थिक संकेतक बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। फिलहाल निवेशकों की नजर अंतरराष्ट्रीय बाजारों और भू-राजनीतिक हालात पर बनी हुई है, जिसके चलते बाजार में आगे भी उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना जताई जा रही है।

मीरपुर वनडे में रिव्यू को लेकर विवाद, पाकिस्तान ने दर्ज कराई आधिकारिक शिकायत

मीरपुर में खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे मैच के दौरान डीआरएस रिव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने इस मामले को लेकर मैच रेफरी नियामुर राशिद के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। पाकिस्तान का आरोप है कि बांग्लादेश की टीम ने रिप्ले बड़ी स्क्रीन पर दिखाए जाने के बाद रिव्यू लेने का फैसला किया।यह घटना मैच के 50वें ओवर में उस समय हुई जब पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा कर रहा था। बांग्लादेश के स्पिनर ऋषद हुसैन के ओवर की आखिरी गेंद से ठीक पहले पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों में 12 रन की जरूरत थी। इसी दौरान बांग्लादेश के कप्तान ने लेग स्टंप की ओर एक हवा में उछाली गई गेंद फेंकी, जो बल्लेबाज शाहीन अफरीदी से दूर लेग साइड की ओर घूम गई। मैदान पर मौजूद अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। हालांकि इसके बाद मैच में नाटकीय मोड़ आया जब बांग्लादेश की टीम ने एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू लेने का फैसला किया। उस समय गेंद शाहीन अफरीदी के स्टंप्स के करीब भी नहीं थी। जब बड़े पर्दे पर रिप्ले दिखाया गया तो पता चला कि गेंद शाहीन के बल्ले के किसी हिस्से को छू गई थी। इसके बाद अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और शाहीन अफरीदी निराश होकर मैदान से बाहर लौट गए। इस फैसले के बाद पाकिस्तान के सामने आखिरी गेंद पर 12 रन बनाने की चुनौती रह गई। हालांकि पाकिस्तानी बल्लेबाज अंतिम गेंद पर स्टंप आउट हो गए और बांग्लादेश ने यह मुकाबला 11 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान टीम प्रबंधन का कहना है कि नियमों के अनुसार खिलाड़ियों को रिप्ले दिखाए जाने से पहले ही रिव्यू लेने का निर्णय करना होता है, ताकि वीडियो फुटेज उनके फैसले को प्रभावित न कर सके।

द हंड्रेड लीग में अबरार अहमद की खरीद पर विवाद

सुनील गावस्कर ने जताई कड़ी आपत्ति

चिन्नास्वामी स्टेडियम में IPL 2026 मैचों को मंजूरी, 28 मार्च को RCB-SRH के बीच ओपनिंग मुकाबला

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैचों के आयोजन को मंजूरी दे दी है।इस मैदान पर 28 मार्च को मेजबान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच खेला जाएगा। राज्य सरकार की अनुमति मिलने के बाद यहां आईपीएल मुकाबलों के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने बताया कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों और तैयारियों की समीक्षा के बाद सरकार ने यह अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का विस्तृत आकलन किया गया, जिसके बाद स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए मंजूरी प्रदान की गई।सोमवार को कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एक्सपर्ट कमेटी के सदस्य, केएससीए के अधिकारी, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रतिनिधि और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान विशेषज्ञ समिति ने स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और अन्य तैयारियों को लेकर अपनी विस्तृत रिपोर्ट पेश की।गौरतलब है कि एक साल पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के बाद इसी स्टेडियम में विजय परेड आयोजित की गई थी। उस समय स्टेडियम के बाहर भारी संख्या में प्रशंसक इकट्ठा हो गए थे। भीड़ ज्यादा होने के कारण वहां भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे थे। इसके अलावा महिला क्रिकेट विश्व कप के दौरान जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने भी इस मैदान को बड़े आयोजनों के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं बताया था। समिति की रिपोर्ट के बाद आईसीसी महिला

भारत बनेगा खेल महाशक्ति! पीटी उषा बोलीं- खिलाड़ियों को देना होगा सबसे ज्यादा महत्व

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा है कि भारत में खेल प्रशासन की नीतियां ऐसी होनी चाहिए जिनमें निर्णय लेने की प्रक्रिया में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रशासकों और खेल संस्थाओं की सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों की तैयारी, उनके कल्याण और विकास को बनाना आवश्यक है।रविवार को भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे दिन खेल पत्रकारों को संबोधित करते हुए पी.टी. उषा ने कहा कि भारतीय खेलों का भविष्य खिलाड़ी-केंद्रित खेल प्रशासन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, "यह सुनिश्चित करना होगा कि खिलाड़ियों की तैयारी, उनका कल्याण और उनका समग्र विकास हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता हो।"उषा ने कहा कि भारत इस समय खेलों के अपने सफर के एक अहम दौर से गुजर रहा है। बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत सहयोग के कारण भारतीय खिलाड़ी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं।उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में खेलों के प्रति समर्थन और उत्साह में काफी वृद्धि हुई है। खिलाड़ियों को पहले की तुलना में बेहतर सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और संस्थागत सहयोग मिल रहा है, जिससे उनके प्रदर्शन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।पी.टी. उषा ने यह भी कहा कि भारतीय खेलों की असली ताकत जमीनी स्तर पर मौजूद है। गांवों, कस्बों और स्कूलों में बड़ी संख्या में ऐसी प्रतिभाएं हैं जो अवसर मिलने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोचिंग, खेल बुनियादी ढांचे और प्रतिभा खोज कार्यक्रमों में इसी तरह निवेश जारी रहा तो भारत से लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी सामने आते रहेंगे।

आईपीएल 2026 में ट्रॉफी जीतना लक्ष्य

टीम के लिए पूरा योगदान दूंगा : वैभव सूर्यवंशी

युवा भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन जीतने और टीम में अपना पूरा योगदान देने की इच्छा जताई है। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले सूर्यवंशी रविवार को नई दिल्ली में आयोजित बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह में शामिल हुए। इस दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम को सम्मानित किया।नमन पुरस्कार समारोह के दौरान बातचीत में 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने कहा कि आगामी आईपीएल सीजन में उनका मुख्य लक्ष्य राजस्थान रॉयल्स को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाना है। उन्होंने कहा कि यदि टीम खिताब जीतती है तो इसका फायदा न केवल पूरी फ्रेंचाइजी को होगा बल्कि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को भी मजबूती मिलेगी। सूर्यवंशी ने कहा, "इस सीजन में मेरा लक्ष्य टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं तो इससे पूरी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ मेरे प्रदर्शन को भी फायदा होगा। मेरा उद्देश्य टीम को खिताब दिलाने में अपना पूरा योगदान देना है।"युवा बल्लेबाज ने हाल ही में अंडर-19 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया था। फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए मैच जिताने वाली पारी खेली थी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।फाइनल में सूर्यवंशी ने 80 गेंदों का सामना करते हुए 15 चौकों और छक्कों की मदद से 175 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने केवल 55 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनकी यह पारी अंडर-19 विश्व कप के इतिहास के सबसे तेज शतकों में से एक मानी जा रही है। सूर्यवंशी

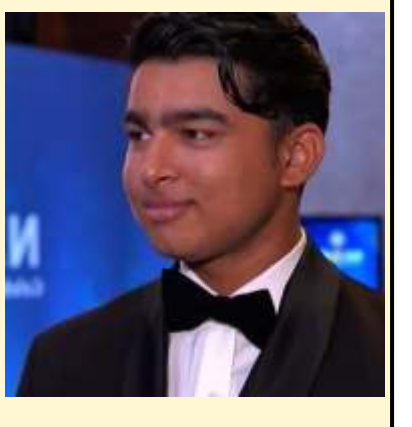

की इस विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने छठी बार अंडर-19 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यवंशी की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें आईपीएल में भी बड़ा मौका मिला।

लोग बोले-क्या आने वाली है तबाही?

मैक्सिको के बीच पर रहस्यमयी मछली

कई देशों की लोककथाओं में माना जाता है कि जब यह मछली समुद्र की गहराई छोड़कर सतह के पास दिखाई देती है, तो यह किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा-जैसे भूकंप या सुनामी का संकेत हो सकता है. इसी वजह से इसे 'डूम्सडे फिश' यानी तबाही का संकेत देने वाली मछली कहा जाने लगा.

इस घटना का वीडियो मोनिका पिटेंजर नाम की महिला ने शेयर किया (Photos: Monica Pittenger/Instagram)

मैक्सिको के काबो सैन लुकास में समुद्र किनारे घूमने गई एक महिला और उसका परिवार उस समय हैरान रह गया, जब उन्होंने पानी के पास दो दुर्लभ ओरफिश देखीं. यह वही मछली है जिसे कई जगहों पर 'डूम्सडे फिश' भी कहा जाता है.

आमतौर पर यह मछली समुद्र की गहराई में रहती है, इसलिए इसका किनारे के पास दिखाई देना बेहद असामान्य माना जाता है.

इस घटना का वीडियो मोनिका पिटेंजर नाम की महिला ने इंस्टाग्राम पर साझा किया. उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें समुद्र के पानी में दूर एक चमकती हुई आकृति दिखाई दी. जैसे-जैसे वह जीव किनारे के करीब आया, उन्हें समझ आया कि यह कोई साधारण मछली नहीं है. मोनिका के मुताबिक उन्होंने पहले कभी ऐसी मछली नहीं देखी थी.

उन्होंने कहा कि जब दूसरी ओरफिश दिखाई दी तो वह थोड़ी घबरा भी गईं. मोनिका ने बताया कि उनकी बहन को लगा कि मछली मुश्किल में है. उन्होंने तुरंत अपना फोन, बैग और ड्रिंक उन्हें थमाया और बिना देर किए पानी में उतर गईं.

उन्होंने बताया कि उनकी बहन को किसी भी जीव को तकलीफ में देखना पसंद नहीं है. ⊙

जंग के बीच ईरान में क्या खोज रहे हैं जासूस

ब्रिटेन के जासूस ईरान के अंदर छिपे नर्व गैस की तलाश में जुटे हैं जो हजारों लोगों की जान ले सकते हैं. सूत्रों का दावा है कि मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच ईरान में ब्रिटिश, अमेरिकी और फ्रांसीसी जासूस मौजूद हैं. ताकि, वे उन स्थानों की पहचान कर सकें जहां कथित तौर पर नर्व एजेंट रखे जा रहे हैं. द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के जासूसों को ईरान के अंदर रासायनिक हथियारों का पता लगाने और उन्हें खोजने का काम सौंपा गया है. ⊙

अमेरिका के युवा डिजाइनर मैक्स अलेक्जेंडर हो रहे वायरल

फैशन शो में छाया 10 साल का डिजाइनर

फैशन की दुनिया में इन दिनों एक 10 साल के बच्चे का नाम तेजी से वायरल हो रहा है.

अमेरिका के युवा डिजाइनर मैक्स अलेक्जेंडर ने हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपना शानदार डेब्यू किया, जिसके बाद सोशल मीडिया से लेकर फैशन इंडस्ट्री तक हर जगह उनकी चर्चा हो रही है. इतनी कम उम्र में इतने बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाकर मैक्स ने सबको चौंका दिया है. TOI रिपोर्ट के मुताबिक मैक्स अलेक्जेंडर को बचपन से ही फैशन डिजाइनिंग का शौक रहा है. उन्होंने महज चार साल की उम्र से कपड़ों को डिजाइन करना शुरू कर दिया

था. मैक्स की खासियत यह है कि वे रंग-बिरंगे कपड़ों और अनोखे पैटर्न का इस्तेमाल करके बेहद क्रिएटिव ड्रेस तैयार करते हैं. पेरिस फैशन वीक में पेश किए गए उनके कलेक्शन में भी इसी तरह की रंगीन और अनोखी डिजाइन देखने को मिली. ⊙

वीडियो वायरल, पोते ने पूरा किया सपना

बुजुर्ग दादी की पहली हवाई यात्रा

कभी-कभी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पल वही होते हैं, जो लंबे समय से मन में छिपे छोटे-छोटे सपनों से जुड़े होते हैं. ऐसा ही एक भावुक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग दादी अपनी जिंदगी की पहली हवाई यात्रा करती नजर आ रही हैं. इस वीडियो ने इंटरनेट यूजर्स का दिल जीत लिया है और लोग इस खास पल पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं. यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रवि राज राजपुरोहित नाम के यूजर ने शेयर किया है. उन्होंने अपनी दादी को पहली बार हवाई जहाज में सफर कराने के इस यादगार पल को कैमरे में कैद किया. वीडियो में दादी को एयरपोर्ट के अंदर चलते हुए देखा जा सकता है. इसके बाद

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रवि राज राजपुरोहित नाम के यूजर ने शेयर किया है (Photo:Insta/@rajpurohit_ravirazz)

वह विमान में चढ़ती नजर आती हैं और फिर विमान के अंदर बैठकर इस नए अनुभव को महसूस करती दिखाई देती हैं. पूरे वीडियो में उनकी जिज्ञासा और खुशी साफ झलकती है. वीडियो पर लिखे गए टेक्स्ट के अनुसार, इस खास यात्रा की शुरुआत उसी दिन सुबह एक साधारण-सी जिज्ञासा से हुई थी. दादी ने खिड़की से एक विमान को उड़ते हुए देखा और हैरानी से पूछा कि आखिर यह उड़ता कैसे है. कुछ ही घंटों बाद उनका यह सवाल एक अनोखे अनुभव में बदल गया, जब वह खुद पहली बार हवाई जहाज में बैठीं. रवि राज राजपुरोहित ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "कुछ सपनों की कोई उम्र नहीं होती. आज दादी ने अपनी पहली फ्लाइट ली. ⊙

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का बदला नाम

अब 'मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से आएगी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का नाम बदल दिया गया है। साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प पर आधारित इस फिल्म का नया नाम अब 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' रखा गया है। इस बदलाव की घोषणा सोमवार, 16 मार्च को फिल्म के निर्माताओं द्वारा की गई। इसी के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें सलमान खान का दमदार और खतरनाक लुक देखने को मिल रहा है।फिल्म का नया पोस्टर सामने आने के बाद दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है। पोस्टर में सलमान खान एक सैनिक के रूप में नजर आ रहे हैं, जो देशभक्ति और युद्ध के माहौल को दर्शाता है। हालांकि इस नए

पोस्टर में फिल्म की रिलीज डेट का जिक्र नहीं किया गया है। इसके बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि फिल्म की निर्धारित रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब माना जा रहा है कि इसे आगे के लिए टाला जा सकता है।इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म की कहानी साल 2020 में लद्दाख स्थित गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए ऐतिहासिक संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है। उस समय हुई इस हिंसक झड़प ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था और देशभर में शहीद सैनिकों को लेकर भावनात्मक माहौल बन गया था।फिल्म के टाइटल में बदलाव को लेकर मेकर्स का मानना है कि नया नाम फिल्म के संदेश को अधिक प्रभावी ढंग से दर्शाता है। 'मातृभूमि' शब्द देशभक्ति और अपने देश के प्रति समर्पण की भावना को दर्शाता है, जबकि इसके साथ जोड़ी गई टैगलाइन "May War Rest in Peace" एक महत्वपूर्ण संदेश देती है। इसका अर्थ है कि युद्ध समाप्त हो और शांति कायम हो।मेकर्स का कहना है कि आज की दुनिया में जहां कई क्षेत्रों में तनाव और संघर्ष की स्थिति बनी रहती है, ऐसे समय में यह संदेश बेहद प्रासंगिक है। फिल्म के जरिए न केवल गलवान घाटी की घटना को दिखाया जाएगा, बल्कि सैनिकों के साहस, बलिदान और देश के प्रति उनके समर्पण को भी बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा। सलमान खान की इस फिल्म को लेकर उनके प्रशंसकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। नाम बदलने और नया पोस्टर जारी होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि फिल्म की नई रिलीज डेट कब घोषित की जाएगी और यह बड़े पर्दे पर कब रिलीज होगी।

ग्रीन कॉरिडोर के पास सड़क धंसने से पांच फीट गहरा गड्ढा

जलकल विभाग और स्वेज इंडिया ने शुरू की मरम्मत

लखनऊ के बीरबल साहनी मार्ग पर खाटू श्याम मंदिर के सामने सड़क में पांच फीट गहरा गड्ढा बन गया। यह सीवर लाइन में लीकेज की वजह से हुआ। जलकल विभाग और स्वेज इंडिया की टीम ने मरम्मत शुरू कर दी है। ग्रीन कॉरिडोर सुरक्षित बताया गया, मरम्मत कार्य जारी है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में बीरबल साहनी मार्ग स्थित खाटू श्याम मंदिर के सामने सड़क अचानक धंस गई। जानकारी के अनुसार, सड़क में करीब पांच फीट गहरा गड्ढा बन गया, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों में खलबली मच गई। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गड्ढा सीवर लाइन में लीकेज की वजह से हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम की कार्यदायी संस्था स्वेज इंडिया की टीम मौके पर पहुंच गई और सड़क की मरम्मत का काम शुरू कर दिया।स्वेज इंडिया की टीम ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान मिट्टी को कंप्रेस करते समय सीवर लाइन के जॉइंट में लीकेज हुआ था। यह लीकेज धीरे-धीरे बढ़ता गया, जिससे सड़क का हिस्सा कमजोर हो गया और अंततः धंस गया। वहीं, जलकल विभाग ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर बनने के समय ही सीवर लाइन को शिफ्ट करने की सलाह दी गई थी, लेकिन काम की जल्दबाजी और बजट की चिंता के कारण इसे नजरअंदाज किया गया।जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह ने कहा कि कुकरैल पंपिंग स्टेशन से बड़ी सीवर लाइन जा रही है। इस लाइन को शिफ्ट करने का सुझाव पहले भी दिया गया था, लेकिन बड़ी लाइन होने के कारण बजट अधिक आता, इसलिए इसे तत्काल शिफ्ट नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि लीकेज की वजह से सड़क का हिस्सा धंस गया। रविवार दोपहर को जानकारी मिलने के बाद स्वेज इंडिया की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया।लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने एक प्रेस नोट जारी कर साफ किया कि गड्ढा ग्रीन कॉरिडोर के रूट पर नहीं बल्कि बीरबल साहनी मार्ग से न्यू हैदराबाद पुलिस चौकी की ओर जाने वाले रैंप के पास सड़क पर हुआ है। प्रेस नोट में कहा गया कि ग्रीन कॉरिडोर सुरक्षित है और वहां यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। गड्ढा केवल साइड पटरी के पास बना है और इसका निर्माण से कोई संबंध नहीं है।एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा के नेतृत्व में निरीक्षण टीम ने भी स्थिति का जायजा लिया। टीम ने बताया कि सीवर पाइपलाइन के जॉइंट में गैप होने की वजह से रिसाव हुआ था। रिसाव की समस्या को रातभर जल निगम और स्वेज इंडिया की टीम ने ठीक कर दिया है। अब सड़क के धंसे हिस्से की बैकफिलिंग एलडीए कराएगा और टूटी सड़क को भी प्राधिकरण ही बनवाएगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण चल रहा था, उस समय भी अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी गई थी कि सड़क के नीचे पानी लीक हो रहा है। उन्हें कहा गया कि पहले नीचे की समस्या का समाधान करें, उसके बाद ऊपर सड़क बनाएं। लेकिन उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया गया।इस घटना ने स्पष्ट कर दिया है कि शहरी अवसंरचना में योजना और सुरक्षा पर समय पर ध्यान न देना गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक इस मार्ग का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक फेरबदल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली के तहत एक बार फिर प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। इस बदलाव के तहत तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले के साथ उनकी जिम्मेदारियों में परिवर्तन किया गया है। पुलिस विभाग द्वारा किए गए इस निर्णय को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।जारी आदेश के अनुसार, डीसीपी ट्रैफिक कमलेश कुमार दीक्षित को उनके वर्तमान पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उनके स्थान पर आईपीएस अधिकारी रवीना त्यागी को लखनऊ का नया डीसीपी ट्रैफिक नियुक्त किया गया है। रवीना त्यागी अब राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगी।लखनऊ जैसे बड़े और व्यस्त शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती माना जाता है। ऐसे में रवीना त्यागी की नियुक्ति को अहम माना जा रहा है। नई जिम्मेदारी संभालने के बाद उनके सामने शहर में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करना, जाम की समस्या को कम करना और ट्रैफिक प्रबंधन को और प्रभावी बनाना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल होगा। इसके अलावा पुलिस उपायुक्त अनिल कुमार यादव के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। हालांकि उनके नए कार्यक्षेत्र को लेकर विस्तृत जानकारी विभाग की ओर से साझा नहीं की गई है, लेकिन यह स्पष्ट किया गया है कि प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट में समय-समय पर किए जाने वाले ऐसे प्रशासनिक बदलावों का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना होता है। अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव से विभागीय कार्यप्रणाली में सुधार के साथ-साथ कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

लखनऊ में एनएसयूआई का अनोखा प्रदर्शन

नाले की गैस से चाय बनाकर जताया एलपीजी संकट पर विरोध

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एलपीजी गैस की कथित कमी को लेकर कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नाले में पाइप लगाकर उसे गैस सिलेंडर से जोड़ने का प्रयोग किया और उसी से चाय बनाकर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि यह प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए नाले से गैस बनाने के फॉर्मूले के आधार पर किया गया, लेकिन यह तरीका पूरी तरह विफल साबित हुआयह प्रदर्शन कांग्रेस मुख्यालय के बाहर किया गया, जहां एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से चाय की दुकान लगाई। उन्होंने दावा किया कि यह चाय एलपीजी की कमी के कारण नाले से निकलने वाली गैस से बनाई गई है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी भी की।एनएसयूआई के सदस्य अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान समय में देशभर में गैस की भारी किल्लत की स्थिति बनी हुई है, जिससे आम लोग, छात्र और छोटे व्यवसायी सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर वे चिंतित थे और समाधान खोजने के प्रयास में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना भाषण सुना, जिसमें नाले से गैस बनाने की बात कही गई थी।अखिलेश यादव के अनुसार, उसी फॉर्मूले को आधार बनाकर उन्होंने नाले से गैस निकालने का प्रयास किया और उससे चाय बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर यह प्रयोग किया गया, वहां का नाला पहले पूरी तरह भरा हुआ था, लेकिन प्रयोग के दौरान गैस इतनी कम निकली कि मुश्किल से एक सिलेंडर भी नहीं भर पाया। उन्होंने कहा कि इससे बहुत कम मात्रा में चाय बन पाई और यह गैस भी टिकाऊ नहीं थी।उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री का नाले

से गैस बनाने का फॉर्मूला सफल नहीं हुआ। अखिलेश यादव ने कहा कि वे प्रधानमंत्री से आग्रह करना चाहते हैं कि यदि यह फॉर्मूला काम नहीं कर रहा है तो कोई नया तरीका बताया जाए, जिससे पर्याप्त गैस बनाई जा सके।उन्होंने यह भी कहा कि गलत नीतियों के कारण देश में गैस की समस्या बढ़ती जा रही है। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर छात्रों पर पड़ रहा है, क्योंकि कई हॉस्टल और मेस में भोजन की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मजदूर वर्ग भी इस समस्या से जूझ रहा है, जो दिनभर काम करने के बाद भी शाम को पेट भर भोजन नहीं कर पा रहा।एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि गैस की कीमतों और कमी के कारण छोटे दुकानदारों और ठेले-टपरी चलाने वालों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। कई जगहों पर दुकानों को बंद करना पड़ रहा है और कुछ कामगारों को शहर छोड़कर अपने गांव लौटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित रेस्टोरेंट में वेज थाली में मांस का टुकड़ा मिलने से हंगामा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित फूड वैली इलाके के हाउस ऑफ रॉयल्स रेस्टोरेंट में वेज थाली में मांस का टुकड़ा मिलने के बाद शनिवार रात हंगामा हो गया। इस घटना से नाराज ग्राहकों ने रेस्टोरेंट प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गोमतीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार प्रयागराज के प्रीतमनगर निवासी हेमंत कुमार सिंह अपने 14 साथियों के साथ लखनऊ आए हुए थे। शुक्रवार रात करीब नौ बजे वे सभी गोमतीनगर स्थित फूड वैली के हाउस ऑफ रॉयल्स रेस्टोरेंट में भोजन करने पहुंचे। यहां सभी लोगों ने डीलक्स वेज थाली समेत अन्य शुद्ध शाकाहारी व्यंजन ऑर्डर किए थे।कुछ देर बाद रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने खाना परोस दिया। सभी लोग खाना खाने लगे, तभी एक वेज थाली में मांस का टुकड़ा दिखाई दिया। यह देखकर सभी लोग हैरान रह गए और मौके पर ही हंगामा शुरू हो गया। ग्राहकों का कहना है कि वे शुद्ध शाकाहारी भोजन के लिए रेस्टोरेंट आए थे, लेकिन थाली में मांस

का टुकड़ा मिलने से सभी स्तब्ध रह गए। हेमंत कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने सोचा था कि यात्रा के दौरान सादा शाकाहारी भोजन किया जाए, लेकिन वेज थाली में मांस का टुकड़ा मिलने से उनका मन खराब हो गया। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर लापरवाही है और इससे ग्राहकों की भावनाएं आहत हुई हैं। ग्राहकों के अनुसार जब उन्होंने इस मामले की शिकायत रेस्टोरेंट प्रबंधन से की तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आरोप है कि रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। इससे नाराज होकर हेमंत और उनके साथियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला

16 साल बाद घर लौटा बेटा, मां और भाई से मिलकर छलक पड़े आंसू

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में एक भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां 16 साल से लापता बेटा अचानक घर लौट आया। बेटे को सामने देखकर मां और भाई की भावनाएं उमड़ पड़ीं और तीनों एक-दूसरे से लिपटकर फूट-फूट कर रो पड़े। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो गए।मलिहाबाद निवासी 44 वर्षीय शिवनाथ रविवार दोपहर अचानक अपने घर पहुंच गए। करीब 16 वर्ष पहले वह मजदूरी करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटे। समय बीतता गया और परिवार उनके लौटने का इंतजार करता रहा। मां कलावती देवी और भाई वीरेंद्र कुमार को उम्मीद थी कि वह किसी दिन जरूर लौटेंगे, लेकिन धीरे-धीरे उम्मीद भी खत्म होने लगी।परिवार ने आखिरकार मान लिया था कि शिवनाथ अब इस दुनिया में नहीं हैं। बेटे के गम में उनके पिता ने भी जिंदगी की अंतिम सांस ले ली। मां और भाई ने भारी मन से शिवनाथ को मृत मानकर खुद को संभाल लिया था।रविवार को जब शिवनाथ अचानक घर पहुंचे तो मां और भाई उन्हें देखकर खुद को रोक नहीं सके। मां ने बेटे को गले से लगा लिया और दोनों की आंखों से आंसू बहने लगे। भाई भी उनसे लिपटकर रो पड़ा। यह दृश्य देखकर आसपास के लोग भी भावुक हो गए।

मरीज बनकर पहुंचे ब्रजेश पाठक

वार्ड में गंदगी देख अधिकारियों की लगाई क्लास

लखनऊ के चिनहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आम मरीज की तरह पर्ची कटवाकर अस्पताल की व्यवस्था का जायजा लिया। खास बात यह रही कि शुरुआत में अस्पताल में मौजूद लोग उन्हें पहचान नहीं सके। डिप्टी सीएम मरीजों के साथ कतार में खड़े होकर पर्ची कटवाने के बाद सीधे ओपीडी में डॉक्टर के पास पहुंचे। वहां उन्होंने किसी बीमारी की शिकायत बताने के बजाय डॉक्टर से अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में पूछना शुरू कर दिया। बातचीत के दौरान डॉक्टर ने उन्हें पहचान लिया, जिसके बाद वह बाहर निकल आए और अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने लगे।करीब 54 मिनट तक चले इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी और स्वास्थ्यकर्मियों से भी पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सफाई व्यवस्था और वार्डों की हालत देखकर डिप्टी सीएम नाराज हो गए।जनरल वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं मिली और अस्पताल परिसर में गंदगी देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होगी, तब तक जिम्मेदार अधिकारी घर नहीं जाएंगे।डिप्टी सीएम ने लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी करने और सफाई एजेंसी का एक सप्ताह का भुगतान काटने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद वह पैथोलॉजी विभाग पहुंचे, जहां मरीजों की लंबी कतार लगी थी। उन्होंने टेक्नीशियन से पूछा कि एक मरीज का ब्लड सैंपल लेने में कितना समय लगता है। जवाब मिलने के बाद उन्होंने जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को ज्यादा देर तक इंतजार न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एक्स-रे कक्ष के आसपास धूल-मिट्टी दिखाई दी। इस पर उन्होंने तुरंत सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां रखी अलमारी खोलकर दवाओं और अन्य सामग्री का स्टॉक भी जांचा। इसके बाद वह ओपीडी कक्ष नंबर 5 में पहुंचे और डॉक्टर से मरीजों की संख्या तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। अस्पताल के सभागार में उस समय आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण चल रहा था। आशा कार्यकर्ताओं ने डिप्टी सीएम को बताया कि उनके मोबाइल फोन खराब हैं,

जिससे काम में दिक्कत हो रही है। इस पर डिप्टी सीएम ने तुरंत सीएमओ डॉ. एन. बी. सिंह को फोन कर मोबाइल ठीक कराने या बदलने के निर्देश दिए। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान भी जल्द कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान पीने के पानी की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। पानी की पाइप को जाली से बांधकर रखा गया था और आसपास गंदगी थी। इस पर डिप्टी सीएम ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पतालों में साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्नाव में सड़क पर धरना देने पर आप कार्यकर्ताओं पर मुकदमा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं द्वारा सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने और यातायात बाधित करने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में छह नामजद समेत 30 से 35 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। सिविल लाइन चौकी प्रभारी की तहरीर पर शनिवार को हुए प्रदर्शन के बाद रविवार को मामला दर्ज किया गया।पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव और जिला प्रभारी तुषार श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रदर्शन किया था। कार्यकर्ता पहले पैदल मार्च करते हुए झाड़ीशाह बाबा मजार के पास तक पहुंचे। इसके बाद वे कलक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही बीच सड़क पर बैठ गए और धरना शुरू कर दिया।सड़क पर धरना देने के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई और वहां भारी जाम लग गया। इसके चलते आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उस दिन जिले में पुलिस भर्ती परीक्षा भी आयोजित की जा रही थी और न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन भी था, जिससे आवागमन सामान्य दिनों की तुलना में अधिक था। ऐसे में सड़क पर जाम लगने से परीक्षार्थियों और वादकारियों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मामले की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने स्थिति का संज्ञान लिया और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस

अधिकारियों के अनुसार, जिले में 19 मार्च तक धारा 163 लागू है, जिसके तहत बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन करना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर बैठकर धरना दिया, जिससे यातायात व्यवस्था और प्रशासनिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। इंस्पेक्टर चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि प्रदर्शन करना अपने आप में कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन सड़क के बीच बैठकर यातायात और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बाधित करने का प्रयास किया गया, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और ऐसे मामलों में नियमों के तहत कार्रवाई की जाती है। सिविल लाइन चौकी प्रभारी पंकज शरद की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में आप के जिलाध्यक्ष कुलदीप यादव, जिला प्रभारी तुषार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष दीपक राजपूत, कोषाध्यक्ष रमेश गुप्ता, शैलेश उपाध्याय और दीपू कुमार को नामजद किया गया है। इनके अलावा 30 से 35 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल और आसपास के इलाकों की जानकारी जुटाई जा रही है तथा अन्य लोगों की पहचान करने का भी प्रयास किया जा रहा है।इधर, इस कार्रवाई के बाद जिले की राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं की ओर से इस मामले को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जाजमऊ पुल पर भीषण सड़क हादसा डंपर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के जाजमऊ पुल पर सोमवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।मृतका की पहचान कानपुर नगर के कुली बाजार, थाना अनवरगंज निवासी नईमा बेगम (45) पत्नी वकील अहमद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नईमा बेगम अपने परिजन अदनान (20) के साथ बाइक से कहीं जा रही थीं। दोनों जाजमऊ पुल से होकर गुजर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और नईमा बेगम सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा अदनान भी हादसे से घबरा गया, हालांकि उसे गंभीर चोट नहीं आई।घटना की सूचना मिलते ही थाना गंगाघाट पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल अदनान को सुरक्षित स्थान पर भेजते हुए महिला के शव को कब्जे में लिया। इसके बाद आवश्यक पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल उन्नाव की मोर्चरी भेज दिया गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पुल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जमीनी विवाद में एक ही परिवार के दो पक्षों में खूनी संघर्ष, युवक गंभीर रूप से घायल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के बीघापुर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस हिंसक झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी पंकज पुत्र रामचंद्र ने बीघापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पंकज का आरोप है कि उनके परिवार की जमीन पर यूकेलिप्टस के पेड़ों की एक बाग है, जिसका मामला इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि विवादित भूमि को लेकर पहले से ही दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी।पंकज के अनुसार, विपक्षी पक्ष के केशन ने विवादित भूमि पर खड़ी यूकेलिप्टस की बाग को चोरी-छिपे बेच दिया। जब इस बात की जानकारी उन्हें और उनके परिवार के लोगों को हुई, तो उन्होंने इसका विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झगड़े के दौरान दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में शिवम नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा एक महिला समेत कई अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बीघापुर स्थित सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। शिवम की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अन्य घायलों का भी उपचार जारी है। इस मामले में बीघापुर थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि पंकज की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस दोनों पक्षों के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही वायरल वीडियो और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आपसी विवादों को कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास करें।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में 4 अप्रैल को दिल्ली में होगी महारैली

उन्नाव में शिक्षकों की संयुक्त बैठक में बनी रणनीति

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (TFI) की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें टीईटी अनिवार्यता के विरोध में 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर की महारैली और धरना-प्रदर्शन को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक के दौरान शिक्षक नेताओं और प्रतिनिधियों ने “दिल्ली चलो” का नारा बुलंद करते हुए आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस बैठक में जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।यह बैठक शहर के प्रकाश गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न शिक्षक संघों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा के निर्देश पर किया गया था। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 4 अप्रैल को दिल्ली में होने वाली महारैली और धरना-प्रदर्शन को लेकर रणनीति तय करना और अधिक से अधिक शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करना था।बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय मंत्री एवं जिलाध्यक्ष उन्नाव बृजेश पाण्डेय ने कहा कि पूर्व में रामलीला मैदान में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शनों को अनुमति न देकर शिक्षक एकता को दबाने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद शिक्षक संगठनों का मनोबल कमजोर नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने निर्णय लिया है कि इस बार 4 अप्रैल को तय तिथि पर ही महारैली और धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, चाहे इसके लिए प्रशासन से अनुमति मिले या न मिले।जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि अब सभी शिक्षक संगठन एकजुट हो चुके हैं और उनकी एकता को तोड़ना संभव नहीं है। उन्होंने टीईटी अनिवार्यता को “काला कानून” बताते हुए कहा कि जब तक इस व्यवस्था को वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से एकजुट होकर आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में प्रांतीय मंत्री एवं जिलाध्यक्ष उन्नाव बृजेश पाण्डेय, जिलामंत्री गजेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ), जिला संरक्षक राघवेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र, महामंत्री रामजनम सिंह तथा कोषाध्यक्ष सरल कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिला मीडिया प्रभारी मदन पांडे भी बैठक में मौजूद रहे।तहसील प्रभारी अरविंद सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप द्विवेदी, अनूप कुशवाहा, गोविंद मिश्रा, मंत्री फूलचंद समेत कई शिक्षक प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया। अंत में सभी ने आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए बैठक का समापन किया।

उन्नाव के पवई गांव में जमीन विवाद

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के पवई गांव में जमीन विवाद को लेकर एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला किया गया है। इस हमले में युवक के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह घटना माखी थाना क्षेत्र की है। पीड़ित धीरू मिश्रा (पुत्र रमेश मिश्रा, निवासी पवई) के अनुसार, 13 मार्च को वह अपनी जमीन पर ट्रैक्टर-ट्रॉली का कल्टीवेटर और रोटावेटर रख रहे थे। उसी दौरान गांव के लालजी (पुत्र लक्ष्मी नारायण), महेश (पुत्र लक्ष्मी नारायण) और उदय (पुत्र लालजी) वहां पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने गाली देने का विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और वे घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

धीरू मिश्रा ने बताया कि आरोपी पक्ष से उनका काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को गुमराह कर जमीन के मामले में गलत रिपोर्ट लगवाई है, जबकि यह भूमि विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। धीरू मिश्रा का कहना है कि वह कई बार संबंधित अधिकारियों के पास अपनी शिकायत लेकर गए, लेकिन अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिल सका है। इस पूरे मामले को लेकर पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जमीन को लेकर अक्सर विवाद होते रहते हैं, जिसके कारण कई बार तनाव की स्थिति भी बन जाती है। ऐसे मामलों में समय रहते प्रशासनिक हस्तक्षेप जरूरी होता है। फिलहाल पीड़ित न्याय की उम्मीद में अधिकारियों के दरवाजे खटखटा रहा है।

मौसम में बदलाव से बढ़ीं मौसमी बीमारियां, जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़

उन्नाव में मौसम के अचानक बदलाव के कारण मौसमी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंड के चलते सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण फैल रहा है। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव साफ दिखाई दिया।सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में एक हजार से अधिक मरीज चिकित्सकीय परामर्श के लिए पहुंचे। सुबह से ही पर्चा काउंटर पर लंबी कतारें लग गईं। मरीजों को पर्ची बनवाने से लेकर डॉक्टर से परामर्श लेने तक घंटों इंतजार करना पड़ा। अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके तीमारदारों की भीड़ देखी गई।अस्पताल पहुंचे कई मरीजों ने सर्दी-जुकाम, सिरदर्द, बदन दर्द, आंखों में जलन, कमजोरी और हल्के बुखार की शिकायत की। मरीज मोनू ने बताया कि उन्हें सर्दी-जुकाम के साथ सिरदर्द और बदन दर्द की समस्या हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार यह मौसम परिवर्तन के कारण फैलने वाला वायरल संक्रमण है, जो तापमान में अचानक बदलाव के समय अधिक सक्रिय हो जाता है।जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. कौशलेंद्र प्रकाश ने बताया कि बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने सुबह-शाम ठंड से बचने, हल्के गर्म कपड़े पहनने, गुनगुना पानी पीने और विटामिन-सी युक्त फल व हरी सब्जियों का सेवन करने की सलाह दी।

अखिलेश का बड़ा ऐलान

चार राज्यों में INDIA गठबंधन को सपा का समर्थन

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का समर्थन करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव की मांग की, ममता बनर्जी का समर्थन किया और उत्तर प्रदेश में सत्ता मिलने पर इटावा में शिवाजी महाराज के नाम पर पार्क बनाने

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

समाजवादी पार्टी असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इन चार राज्यों में अप्रैल महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उनकी पार्टी गठबंधन के उम्मीदवारों के साथ खड़ी रहेगी।अखिलेश यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी असम में एक सीट की मांग कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पार्टी को सीट नहीं भी मिलती है तो भी समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन को मजबूत करना और भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ना जरूरी है।निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार असम और केरल में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे, जिनकी तिथियां 23 और 29 अप्रैल तय की गई हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। इन राज्यों में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।अखिलेश यादव ने इस दौरान निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह केंद्र सरकार के प्रभाव में न आए। उनका कहना था कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी हैं।सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करने के लिए राज्य के मतदाताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और वे केंद्र सरकार के भेदभाव या कुप्रबंधन को नहीं भूलेंगे। अखिलेश यादव ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल "सम्मानजनक हार" ही मिल सकती है और राज्य के लोग ममता बनर्जी को फिर से मुख्यमंत्री के रूप में चुनेंगे।उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले समय में राज्य में "बुलडोजर चालक" बदलेगा और वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जगह कोई और मुख्यमंत्री बनेगा। उनका संकेत था कि यदि समाजवादी पार्टी को सत्ता में आने का मौका मिला तो प्रदेश में नई नीतियों और विकास योजनाओं को लागू किया जाएगा।अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि अगर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सत्ता में आती है तो इटावा में छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित एक भव्य पार्क विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पार्क लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में बनाया जाएगा और इसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा।बातचीत के दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा का भी जिक्र किया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री को पिछले महीने इजराइल की यात्रा से लौटते समय ईरान में भी रुकना चाहिए था। उनके अनुसार ऐसा करने से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को रोकने का प्रयास किया जा सकता था और भारत को 'विश्वगुरु' बनने का एक अवसर मिल सकता था।

मानिकपुर जंक्शन पर दर्दनाक हादसा

टीवी भारतवर्ष चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम मंडल के मानिकपुर जंक्शन पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रयागराज से गलत ट्रेन में बैठ गई एक महिला ने जब चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की तो वह संतुलन खोकर रेलवे ट्रैक पर गिर गई। हादसे में महिला का एक हाथ कट गया और सिर में गंभीर चोटें आईं। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय रिंकी देवी अपने दो बच्चों के साथ बिहार जाने के लिए प्रयागराज के छिवकी जंक्शन से ट्रेन में सवार हुई थीं। लेकिन गलती से वह अहमदाबाद जाने वाली ट्रेन में बैठ गईं। जब ट्रेन मानिकपुर जंक्शन पहुंची तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ।बताया जा रहा है कि जैसे ही रिंकी देवी को पता चला कि वह गलत ट्रेन में बैठ गई हैं, उन्होंने घबराहट में चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और उनका पैर फिसल गया। वह सीधे रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ीं और ट्रेन की चपेट में आ गईं। इस हादसे में उनका एक हाथ कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के समय मौके पर मौजूद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास किया। आरपीएफ कर्मियों ने घायल महिला को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

यूपी एसआई भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा उजागर

छह एफआईआर दर्ज; एसटीएफ ने गिरोह का सदस्य दबोचा

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा के दौरान कई जिलों में फर्जीवाड़ा, गलत पहचान और नकल के मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं के बाद पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है और अब तक छह अलग-अलग एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। कई संदिग्ध अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने परीक्षा पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान विभिन्न जिलों के परीक्षा केंद्रों पर कुछ अभ्यर्थियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों और गलत पहचान का इस्तेमाल करने की कोशिश की गई। मेरठ के मेरठ कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एक अभ्यर्थी ने आधार कार्ड और प्रवेश पत्र में जन्मतिथि में हेरफेर कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए थे। जांच के दौरान यह मामला पकड़ा गया, जिसके बाद संबंधित अभ्यर्थी के खिलाफ कार्रवाई की गई।इसी तरह वाराणसी के सनातन धर्म इंटर कॉलेज में ई-केवाईसी प्रक्रिया के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। जांच में पता चला कि एक अभ्यर्थी पहले भी किसी अन्य नाम और पते से परीक्षा दे चुका था। अधिकारियों ने तुरंत उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।बदायूं के सिंगलर गर्ल्स इंटर कॉलेज में भी आधार कार्ड में नाम और जन्मतिथि बदलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने का मामला सामने आया। इसके अलावा अलीगढ़ के गोपीराम पालीवाल इंटर कॉलेज और सहारनपुर के गोचर महाविद्यालय में भी आधार कार्ड में हेरफेर के मामलों का खुलासा हुआ है। सहारनपुर के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में परीक्षा के दौरान दो अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट बदलने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों ने तत्काल दोनों को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर से बढ़ी उपभोक्ताओं की चिंता

बकाया समायोजन को लेकर बिजली विभाग ने दी राहत

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर व्यवस्था लागू होने के बाद उनकी चिंता बढ़ गई है। प्रदेश में सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इस व्यवस्था के तहत अब उपभोक्ताओं को बिजली का उपयोग करने से पहले मीटर रिचार्ज कराना होगा। जितने रुपये का रिचार्ज कराया जाएगा, उसी के हिसाब से बिजली की यूनिट उपलब्ध होंगी। बैलेंस समाप्त होते ही बिजली कनेक्शन अपने आप कट जाएगा और दोबारा रिचार्ज कराने के बाद ही बिजली की आपूर्ति शुरू होगी।पहले उपभोक्ताओं को महीने के अंत में बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें पहले ही पैसा जमा कराना होगा। इसी वजह से कई उपभोक्ता असमंजस में हैं कि वे पहले पुराने बकाए का भुगतान करें या मौजूदा महीने की बिजली के लिए मीटर रिचार्ज कराएं। उपभोक्ताओं की इसी परेशानी को देखते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बकाया समायोजन के लिए नई व्यवस्था लागू की है।नई व्यवस्था के अनुसार यदि किसी उपभोक्ता का बकाया 10 हजार रुपये तक है तो उसके हर रिचार्ज या बिल भुगतान से केवल 10 प्रतिशत राशि ही पुराने बकाए में समायोजित की जाएगी। इसे उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि किसी उपभोक्ता का मासिक बिल पहले लगभग 5 हजार रुपये आता था और दो महीने का बिल बकाया होने से कुल 10 हजार रुपये बकाया हो गए हैं, तो यदि वह 5 हजार रुपये का रिचार्ज कराता है तो पहले की व्यवस्था में पूरी राशि पुराने बकाए में समायोजित हो जाती थी। लेकिन नई व्यवस्था के तहत अब 4 हजार रुपये मीटर के रिचार्ज में जुड़ेंगे, जबकि 1 हजार रुपये पुराने बकाए में समायोजित किए जाएंगे।बिजली विभाग ने यह भी तय किया है कि यदि किसी उपभोक्ता का बकाया 10 से 15 हजार रुपये के बीच है तो हर रिचार्ज से 15 प्रतिशत राशि बकाए के रूप में काटी जाएगी। वहीं यदि बकाया 15 से 20 हजार रुपये के बीच है तो हर रिचार्ज से 25 प्रतिशत राशि पुराने बकाए में समायोजित की जाएगी।दरअसल, प्रदेश में पोस्टपेड मीटर वाले कई उपभोक्ताओं के घरों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं और इनके साथ पुराना बकाया भी जोड़ दिया गया है।